अर्धवार्षिक परीक्षा 2017-18

कक्षा- बारहवीं
समय - 3.00 घंटे

CGboardonline.com

विषय - हिन्दी
पूर्णांक - 100

निर्देश :- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य ।
प्रश्न क्र. 1 में वस्तुनिष्ठ प्रश्न के तीन खण्ड है, प्रत्येक पर 1 अंक निर्धारित है।
प्रश्न क्र. 2 से 10 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक पर 2 अंक निर्धारित है ।
प्रश्न क्र. 11 से 17 तक लघुउत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक पर 3 अंक निर्धारित है ।
प्रश्न क्र. 18 से 21 तक लघुउत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक पर 4 अंक निर्धारित है ।
प्रश्न क्र. 22 से 23 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक पर 5 अंक निर्धारित है ।
प्रश्न क्र. 24 एवं 25 दीर्घउत्तरीय प्रश्न है, प्रत्येक पर 6 अंक निर्धारित है ।
प्रश्न क्र. 26 निबंधात्मक प्रश्न है जिनमें 8 अंक निर्धारित है

प्रश्न 1. (अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

(1) अंग्रेजी साहित्य के सुप्रसिद्ध निबंधकार थे ।
(अ) शेक्सपियर (ब) ए.जी. गार्डिनर
(स) बाणभट्ट (द) बख्शी जी

(2) श्रृंगार रस का स्थायीभाव है।
(अ) आश्चर्य (ब) रति
(स) जुगुप्सा (द) भय

(3) संत कबीर किस काव्यधारा के कवि हैं । CGboardonline.com
(अ) निर्गुण भक्ति (ब) सगुण भक्ति
(स) रामभक्ति (द) कृष्ण भक्ति

(4) बाहर वर्षीय लहना सिंह और आठ वर्षीय होरा पहली बार कहां के चौंक की दुकान में मिलते हैं ।
(अ) अमृतसर (ब) लाल बाग
(स) हजारी बाग (द) जर्मनी

(5) रत्नाकर जी की काव्यभाषा रही है ।
(अ) अवधी (ब) बघेली
(स) बुंदेलखंडी (द) ब्रजभाषा

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । CGboardonline.com

(1) "नौ दो ग्यारह होना" मुहावरे का अर्थ ---------- है।
(2) पुरुषार्थ को सबसे बड़ा --------- कहा गया है ।

(3) लक्ष्मी थी या दुर्गा थी, या स्वयं वीरता की अवतार" इसमें ---------- अलंकार है।

(4) "बेजुबान" शब्द का अर्थ ---------- है।

(5) सामान्यत: पत्रों को हम ---------- श्रेणियों में विभक्त करते हैं ।

(स) उचित संबंध जोड़िए । CGboardonline.com

(1)	रीलो	-	पीड़ा 3
(2)	दिनकर	-	नृत्य।
(3)	यंत्रणा	-	उर्वशी 2
(4)	व्योम	-	दोहा+रोला 5
(5)	कुण्डलियां छंद	-	आकाश 4

प्रश्न 2. खूंटी और टोपी से लेखक का क्या आशय है ?

प्रश्न 3. मनुष्य को चिंता से दूर क्यों रहना चाहिए ।

प्रश्न 4. "तेरी कुड़माई हो गई के उत्तर में हां हो गई" सुनकर लहना सिंह की क्या प्रतिक्रिया हुई?

प्रश्न 5. वीर रस को उदाहरण द्वारा समझाइये ।

प्रश्न 6. श्रद्धालु मंदिर क्यों जाते हैं ?

प्रश्न 7. निंदा रस का उद्गम स्त्रोत बताइये । CGboardonline.com

प्रश्न 8. आदिवासी दीवान से क्यों नाराज थे ?

प्रश्न 9. कवित्त छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

प्रश्न 10. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

(1) जब सूर्योदय हुआ तब किसान खेत चला गया । (सरल वाक्य)

(2) तुम्हें पुस्तक पढ़ना चाहिए । (आज्ञा वाचक)

प्रश्न 11. श्रद्धा और प्रेम में कोई 3 अंतर लिखिए ।

प्रश्न 12. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

(1) चार चांद लगाना (2) आग में घी डालना (3) आंखे खुलना

प्रश्न 13. पद्मावती की सखियों को फुलवारी क्यों कहा गया है ?

प्रश्न 14. अन्योक्ति अलंकार किसे कहते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें ।

प्रश्न 15. "पूरी दुनिया साफ करने के लिए मेहत्तर चाहिए" कथन में कवि क्या कहना चाहते हैं।

प्रश्न 16. कवि दिनकर ने भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद की प्रतिष्ठा की है । उदाहरण सहित समझाइये ।

प्रश्न 17 "फ्री स्टाइल गवाही" न्याय व्यवस्था की विसंगतियों पर व्यंग्य है, इस पर अपने विचार लिखिए । CGboardonline.com

प्रश्न 18 गजानन माधव मुक्तिबोध अथवा महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित

बिंदुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भावपक्ष एवं कला पक्ष (तीन-तीन विशेषताएं)

प्रश्न 19. चंद्रधर शर्मा "गुलेरी" अथवा उपेन्द्रनाथ "अश्क" का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए। CGboardonline.com

(1) दो रचनाएं (2) भाषा शैली (तीन-तीन विशेषताएं)

प्रश्न 20. भक्तिकाल को कितने भागों में बांटा गया है ? किन्हीं दो कवि व उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

अथवा

रीतिकाल की दो विशेषताएं लिखते हुए किन्हीं दो कवितयों का नाम व उनकी रचनाएं लिखिए।

प्रश्न 21. जब मनुष्य उद्यमशील रहकर अपने अंहकार को पराजित करता है, तो मिट्टी उसके लिए क्या बन जाती है।

अथवा

"जायसी सूफी परंपरा के कवि थे" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 22. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ, प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या कीजिए। CGboardonline.com

श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रुपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्तिभाव का प्रार्दुभाव समझना चाहिए। जब श्रद्धेय के दर्शन, श्रवण, कीर्तन, ध्यान आदि में आनंद का अनुभव होने लगे, जब उससे संबंध रखने वाले श्रद्धा के विषयों के अतिरिक्त बातों की ओर भी मन आकर्षित होने लगे, तब भक्ति रस का संचार समझना चाहिए।

अथवा

तरुणों के लिए रोग और मृत्यु दोनों सुखद है, क्योंकि दोनों में प्रेम की मधुरता है। पर संसार में प्रविष्ट होते ही प्रेम का यह कलिपत संसार न जाने कहां विलीन हो जाता है। तब उन्हें संसार की यथार्थता का ज्ञान होता है, तब उन्हें जीवन की कटुता का अनुभव होता है और तभी ढोल की कर्कशता मालूम हो जाती है।

प्रश्न 23. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"सिर नीचा कर किसकी सत्ता सब करते स्वीकार यहां
सदा मौन हो प्रवचन करते, जिसका वह अस्तित्व कहां
हे अनंत रमणीय ! कौन तुम, यह मैं कैसे कह सकता
कैसे हो ? क्या हो ? इसका तो, भार विचार न सह सकता"

CGboardonline.com

अथवा

"इस भुज, इस प्रज्ञा के सम्मुख कौन ठहर सकता है ?
कौन विभय यह जो कि पुरुष को दुर्लभ रह सकता है।
इतना कुछ है भरा विभव का कोष प्रकृति के भीतर,
निज इच्छित सुख-भोग सहज ही पा सकते नारी-नर ।।"

CGboardonline.com

प्रश्न 24. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर (छ.ग .) को अंकसूची की द्वितीय प्रति मंगाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को हाईस्कूल परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बधाई देते हुए कक्षा ग्यारहवीं में उचित विषय लेने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए रू।

प्रश्न 25. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से अलग उसके अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। परिचित तो बहुत होते हैं पर मित्र बहुत कम हो पाते हैं क्योंकि मैत्री एक ऐसा भाव है, जिसमें प्रेम के साथ समर्पण और त्याग की भावना मुख्य होती है। मैत्री में सबसे आवश्यक है परस्पर विश्वास। मित्र एक ऐसा सखा, गुरु तथा माता होता है, जो सबके स्थानों को पूर्ण करता है।"

CGboardonline.com

प्रश्न (1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
(2) मैत्री में कौन-कौन से भाव सम्मिलित है ?
(3) मैत्री में सबसे आवश्यक क्या है ?
(4) सबके स्थानों को पूर्ण कौन करता है ?
(5) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 26. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 से 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए।

(1) मोबाइल क्रांति- आज के परिप्रेक्ष्य में
(2) विद्यार्थी जीवन में खेलों का महत्व
(3) आतंकवाद एक अभिशाप
(4) दिशाहीन युवा वर्ग
(5) साहित्य समाजस का दर्पण

---00--

CGboardonline.com